42. Thimpu (Bhutan)
43. Vienna (Austria)
44. Washington (USA)
45. Warsaw (Poland)
46. Jeddah (Saudi Arabia)
47. Lagos (Nigeria)

**भिलाई इस्पात संयंत्र के अन्तर्गत दिल्ली, राजहरा, नन्दनी लौह अयस्क खानों में ठेकेदारी प्रथा के अन्तर्गत काम कर रहे मजदूर**

4858. **श्री मोहन धेय्या** : क्या संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) भिलाई इस्पात संयंत्र से सम्बन्धित दिल्ली, राजहरा, नन्दनी आदि लौह अयस्क खानों में ठेकेदारी प्रथा के अन्तर्गत कितने मजदूर काम कर रहे हैं ;

(ख) क्या इन ठेकेदारों ने ठेका श्रम (विनियमन तथा उन्मूलन) अधिनियम, 1970 के उपबन्धों के अन्तर्गत लाइसेंस ले रखे हैं तथा क्या वे लाइसेंसों की शर्तों का पालन कर रहे थे; और

(ग) इस अधिनियम के अन्तर्गत श्रमिक किन सुविधाओं के अधिकारी हैं तथा ठेकेदार इनको क्या सुविधायें दे रहे हैं ?

**श्रम और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री लारंग साय)**: (क) से (ग). सूचना एकत्र की जा रही है और प्राप्त होने के बाद सदन की मेज पर रख दी जाएगी ।

**हिन्दुस्तान स्टील कंस्ट्रक्शन लिमिटेड द्वारा दिया गया ठेका**

4859. **श्री मोहन धेय्या** : क्या इस्पात और खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि इस समय हिन्दुस्तान स्टील वर्क्स कन्स्ट्रक्शन लिमिटेड में कार्यरत ठेकेदारों का ब्यौरा क्या है और प्रत्येक ठेकेदार को किस-किस काम के लिए कितने-कितने मूल्य के ठेके दिए गए हैं ?

**इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री करिया मुण्डा)** : जानकारी प्राप्त की जा रही है और सभा-पटल पर रख दी जाएगी ।

**Complaints for overcharging of Telephone Bills in Metropolitan Cities**

4860. SHRI KANWAR LAL GUPTA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of complaints for overcharging of bills for the telephones in all the Metropolitan cities of the country, separately in the last 3 years;

(b) in how many cases these complaints were found genuine;

(c) whether Government are aware that in many cases either the telephone bills were not sent at all or the amount of telephone bill was much less;

(d) if so, the details thereof in the last 3 years; and

(e) what specific steps Government have taken in the last 6 months to avoid overcharging, under-charging and for not sending the bills properly?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF COMMUNICATIONS (SHRI NARHARI PRASAD SUKHDEO SAI) : (a) The number of complaints for overcharging of bills for telephones in the metropolitan cities of the country for the last 3 years are as follows:—

| | 1974-75 | 1975-76 | 1976-77 |
|---|---|---|---|
| Bombay | 18,821 | 19,426 | 30,035 |
| Calcutta | 2,747 | 6,677 | 21,085 |
| Madras | 3,720 | 5,421 | 6,755 |
| New Delhi | 7,170 | 8,970 | 11,550 |

(b) The number of complaints found genuine is as follows:—

| | 1974-75 | 1975-76 | 1976-77 |
|---|---|---|---|
| Bombay | 786 | 1,349 | 1,118 |
| Calcutta | 505 | 1,432 | 3,461 |
| Madras | 259 | 965 | 580 |
| New Delhi | 1,220 | 1,980 | 1,920 |

(c) to (e). Billing is computerised in all the Metropolitan telephone districts. A list of the telephone numbers for which bills are not prepared by the computer for want of master data, is produced by the computer. This list is examined and bills are issued manually thereafter wherever due. A watch is kept on the disposal of these non-issue lists. A few instances do arise where delay occurs in feeding master data due to late receipt of completed Advice notes and the subscribers remain unbilled. However in Delhi Telephone District there is a general delay of about two months in the issue of bills due to non-availability of computer time. Contract has now been awarded to an other computer agency on 30-11-1977 to ensure timely issue of bills. As on 1-12-1977 items pending for issue of bills were 8201 in respect of bills due to be issued upto 31-3-1977.

Billing is computerised and hence human errors are avoided.

Fortnightly meter readings are taken.

**फाइलेरिया रोग का निदान/नियंत्रण**

4861. **श्री धर्मसिंह भाई पटेल :** क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या फाइलेरिया रोग पर नियंत्रण करने के लिए कोई औषधि अथवा इंजेक्शन का पता लगाया गया है ;

(ख) इस औषधि अथवा इंजेक्शन का नाम क्या है;

(ग) ऐसे कौन-कौन से राज्य हैं जिनमें फाइलेरिया रोग का प्रभाव विशेष रूप से अधिक है ; और

(घ) फाइलेरिया रोग के उन्मूलन के कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है ?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री जगदम्बी प्रसाद यादव) :** (क) और (ख). यद्यपि फाइलेरिया पर काबू पाने के लिए भारत में और अन्य स्थानों पर अनेक नई औषधियों से परीक्षण किए जा रहे हैं तथापि अमरीका में 1947 में द्वितीय विश्व युद्ध के बाद खोज की गई डाइफिलकार्बमिजाइन ही एक दवा है जिसे इस संक्रमण को कम करने और इस रोग के प्रसार का नियंत्रण करने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

(ग) आन्ध्र प्रदेश, बिहार, केरल, उड़ीसा, तमिलनाडु और उत्तर प्रदेश में अनेक व्यक्तियों को यह रोग है या उनमें इस रोग के कीटाणु हैं।

(घ) इस देश में उपलब्ध जानकारी एवं तकनीक से तथा व्याप्त परिस्थितियों में इस रोग का उन्मूलन करना तो सम्भव नहीं है, परन्तु इसके नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय फाइलेरिया नियंत्रण कार्यक्रम 1955 से चलाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत इस रोग को फैलाने वाले मच्छर पैदा न हों, इसके लिए लार्वानाशी उपाय बरते जाते हैं तथा जिन व्यक्तियों के शरीर में इस रोग के कीटाणु होते हैं, उनका पता लगाकर उनका उपचार किया जाता है। प्रयोग के रूप में इस कार्यक्रम को आन्ध्र प्रदेश, गुजरात और उत्तर